aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	21 May 2017

SHIFT
Shift 1

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 21st May 2017 shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-05-21 15:11:55
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	583224107
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	583224159
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	583224159
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 5832241089 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington

Actual

Group Number :	2
Group Id :	583224108
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	583224160
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	583224160
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 5832241090 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

कहते हैं जब सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं तो भगवान एक खिडकी खोल देता है। लेकिन अक्सर हम बंद हुए दरवाजे की ओर इतनी देर तक देखते रह जाते हैं कि खुली हुई खिडकी की ओर हमारी निगाह भी नही जाती। ऐसी परिस्थिति में जो अपनी इच्छाशक्ति से असंभव को संभव बना देते हैं, वो अमर हो जाते हैं। कडा संकल्प वह महान शक्ति है जो मानव की आंतरिक शक्तियों को विकसित कर प्रगति पथ पर सफलता की इबारत लिखती है। अनगिनत लोगों की प्रेरणा और नारी जाति का गौरव मिस हेलन केलर हैं जो शरीर से अंपग पर मन से समर्थ महिला थीं। उनके प्रभावशाली इरादों नें नई प्रेरणा शक्ति को जन्म दिया। 27 जून 1880 को जन्म लेने वाली ये बालिका 6 महिने में घुटनो के बल चलने लगी और एक वर्ष की होने पर बोलने लगी। जब 19 माह की हुई तो एक साधारण से बुखार ने उसकी खुशहाल जिंदगी पर ग्रहण लगा दिया। बुखार तो ठीक हो गया किन्तु उसने हेलन केलर को दृष्टीहीन तथा बधिर बना दिया। सुन न सकने की स्थिति में बोलना भी असंभव हो जाता है। माता पिता बेटी की ऐसी हालत देखकर अत्यधिक दुखी हो गये। हेलन का बचपन कठिन दौर से गुजरने लगा। किसी को आशा भी न थी कि इन मुश्किलों का कोई उपाय भी हो सकता है। एक दिन हेलन की माता समाचार पत्र पढ रहीं थीं। तभी उनकी निगाह बोस्टन की परकिन्स संस्था के विवरण पर पडी। उसको पढते ही उनके चेहरे पर प्रसन्नता की एक लहर दौड गई और उन्होने अपनी पुत्री हेलन का दुलार करते हुए कहा कि अब शायद मुश्किलों का समाधान हो जाए। हेलन के पिता ने परकिन्स संस्था की संरिक्षिका से अनुरोध किया जिससे वे हेलन को घर आकर पढाने लगी। यहिं से हेलन केलर की जिंदगी में परिवर्तन शुरू हुआ। केलर की अध्यापिका सुलीवान बहुत मुश्किलों से उन्हे वर्णमाला का ज्ञान दिया। एक एक अक्षर को केलर कई घंटो दोहराती थीं, तब कहीं जाकर वे याद होते थे। धीरे धीरे वे बोलने का भी अभ्यास करने लगीं जिसमें उन्हें आंशिक सफलता प्राप्त हुई। इसी तरह कठिन परिश्रम के बल पर उन्होने लैटिन, फ्रेंच और जर्मन भाषा का ज्ञान प्राप्त किया। 8 वर्षों के घोर परिश्रम से उन्होने स्नातक की डिग्री प्राप्त कर ली थी। अब उन्हे सारे संसार में लोग जानने लगे थे और बधिर होते हुए भी संगीत की धुन सुन सकती थीं। यह ही नहीं, आत्मा के प्रकाश से वे सब देख भी सकती थीं। सुलीवान केवल उनकी शिक्षिका ही नही बल्कि उनकी जीवन संगनी जैसे थीं। उनकी सहायता से ही हेलन केलर ने टालस्टाय, नीत्शे, रविन्द्रनाथ टैगोर और अरस्तू जैसे विचारकों के साहित्य को पढा। यह ही नहीं, उनकी लिखी आत्मकथा संसार की 50 भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington